

एम.ए. इतिहास उत्तरार्द्ध

प्रश्न पत्र – पंचम

प्राचीन भारत में राज्य एवं राजनीति

खण्ड – 1

- अध्याय 1 : प्राचीन भारतीय राज्य एवं शासन पद्धति के अध्ययन स्रोत एवं सामग्री
- अध्याय 2 : वैदिक काल में राजनीतिक विचार एवं संस्थाएं
- अध्याय 3 : महाकाव्यों से ज्ञात राजनीतिक विचार एवं प्रशासनिक संस्थाएं
- अध्याय 4 : प्राचीन भारत में राज्य की उत्पत्ति और स्वरूप
- अध्याय 5 : राज्य के प्रकार और कार्य

खण्ड – 2

- अध्याय 6 : प्राचीन भारत में जनपद : स्वरूप व संगठन
- अध्याय 7 : प्राचीन भारतीय गणतंत्र और उसका संविधान
- अध्याय 8 : ईसापूर्व छठी सदी में राज्य और साम्राज्य का उदय
- अध्याय 9 : राजत्व (राजतन्त्र) – उसकी प्रकृति एवं कर्तव्य
- अध्याय 10 : राजत्व का स्वरूप एवं उस पर नियंत्रण(मर्यादाएं)

खण्ड – 3

- अध्याय 11 : कौटिल्य अर्थशास्त्र में राजनीतिक विचार
- अध्याय 12 : प्राचीन भारतीय मंत्री परिषद
- अध्याय 13 : प्राचीन भारत में राजपुरुष तंत्र
- अध्याय 14 : प्राचीन भारत में अन्तर राज्य सम्बन्ध
- अध्याय 15 : राज्य एवं उसके संसाधन

खण्ड – 4

- अध्याय 16 : प्राचीन भारत में विधि : स्वरूप एवं संहिताकरण
- अध्याय 17 : धर्मशास्त्रों में राजनीतिक विचार
- अध्याय 18 : प्राचीन भारत में न्यायिक प्रशासन
- अध्याय 19 : प्राचीन भारत में अपराध और दंड
- अध्याय 20 : प्राचीन भारत में सैनिक संगठन
- अध्याय 21 : स्थानीय स्वशासन

एम.ए. इतिहास उत्तरार्द्ध

प्रश्न पत्र – षष्ठम

प्राचीन भारत में व्यापार एवं शहरीकरण

खण्ड – 1

- अध्याय 1 : व्यापार एवं शहरीकरण में अंतः सम्बन्ध
- अध्याय 2 : आद्य ऐतिहासिक काल हड़प्पा संस्कृति : व्यापार व शहरीकरण
- अध्याय 3 : शहरीकरण में हास : वैदिक कालीन आर्थिक जीवन
- अध्याय 4 : नगरीकरण का दूसरा चरण
- अध्याय 5 : प्राचीन भारत में व्यापार तथा वाणिज्य की रूपरेखा

खण्ड – 2

- अध्याय 6 : जल एवं स्थल व्यापार मार्ग, परिवहन के साधन तथा निगम
- अध्याय 7 : विमय का माध्यम : तौल एवं माप
- अध्याय 8 : मुद्रा—प्रणाली, साख एवं अधिकोषण तथा राजस्व
- अध्याय 9 : वृत्तिसंघ (व्यापारिक समुदाय) एवं व्यापारिक वस्तुएं
- अध्याय 10 : प्राचीन भारत में श्रेणियां

खण्ड – 3

- अध्याय 11 : प्राचीन भारत में विदेशी व्यापार
- अध्याय 12 : प्राङ्. मौर्य आर्थिक जीवन, व्यापार एवं नगरीकरण (बौद्ध एवं जैन स्रोतों पर आधारित)
- अध्याय 13 : प्राचीन भारत में व्यापार एवं नगरीकरण का ऐतिहासिक सर्वेक्षण
(मौर्य—शुंग—कुषाण काल उत्तरी भारत)
- अध्याय 14 : मौर्य—सातवाहन काल (दक्षिण भारत)
- अध्याय 15 : गुप्तकाल में आर्थिक जीवन

खण्ड – 4

- अध्याय 16 : परवर्ती—गुप्त—वाकाटक युग (उत्तर भारत)
- अध्याय 17 : परवर्ती—गुप्त वाकाटक युग के उपरान्त दक्षिण भारत
- अध्याय 18 : भारतीय व्यापार के पतन के प्रमुख कारण
- अध्याय 19 : गुप्त काल में नगरीय—केन्द्रों का पतन यथार्थ या मिथ
- अध्याय 20 : प्राचीन भारत में मेले और उत्सव

एम.ए. इतिहास उत्तरार्द्ध

प्रश्न पत्र – अष्टम

मध्यकालीन भारत में प्रशासनिक संस्थाओं का विकास

खण्ड – 1

खण्ड - 1

- अध्याय 1 : तुर्की विजय के समय भारत का राजनैतिक और कानूनी ढांचा
- अध्याय 2 : इस्लाम पर आधारित प्रशासन की रूप रेखा
- अध्याय 3 : मध्यकालीन भारत में सम्प्रभुता की प्रकृति
- अध्याय 4 : जियाउद्दीन बरनी और अबुल फजल के कार्यों में वर्णित मध्यकालीन भारत में राजनीतिक विचार
- अध्याय 5 : विजयनगर साम्राज्य का प्रशासन

खण्ड - 2

- अध्याय 6 : दिल्ली सुल्तानों का केन्द्रीय प्रशासन
- अध्याय 7 : सल्तनतकालीन प्रान्तीय एवं स्थानीय प्रशासन
- अध्याय 8 : इक्ता प्रणाली
- अध्याय 9 : सल्तनतकालीन भू राजस्व एवं आर्थिक सुधार

अध्याय 10 : सल्तनतकालीन भू-राजस्व एवं सैन्य संगठन

खण्ड - 3

अध्याय 11 : मुगलकाल में भू-प्रशासन

अध्याय 12 : मुगलकाल में विधि एवं न्याय

अध्याय 13 : मुगलकाल सैनिक संगठन

अध्याय 14 : मनसब व्यवस्था

अध्याय 15 : मुगलों का केन्द्रीय प्रशासन

खण्ड - 4

अध्याय 16 : मुगलकाल में प्रान्तीय एवं स्थानीय प्रशासन

अध्याय 17 : शिवाजी का केन्द्रीय प्रशासन

अध्याय 18 : मुगलकाल में सामन्त वर्ग का संगठन और संरचना

अध्याय 19 : मध्यकालीन भारत में जागीर व्यवस्था

अध्याय 20 : मध्यकालीन भारत में जमींदारी प्रथा

एम.ए. इतिहास उत्तरार्द्ध

प्रश्न पत्र – सप्तम

स्वतंत्रता आन्दोलन (1920–1947)

खण्ड - 1

- अध्याय 1 : स्वतंत्रता आंदोलन के अध्ययन-उपागम
- अध्याय 2 : राष्ट्रवाद के उदय के कारण
- अध्याय 3 : प्रथम विश्व युद्ध के उपरान्त जनचेतना
- अध्याय 4 : रौलट सत्याग्रह
- अध्याय 5 : खिलाफत और असहयोग आंदोलन

खण्ड - 2

- अध्याय 6 : स्वराज्यवादियों की भूमिका एवं उपलब्धियाँ
- अध्याय 7 : साम्प्रदायिकता का विकास (1920-30)
- अध्याय 8 : क्रान्तिकारी आतंकवादी गतिविधियाँ
- अध्याय 9 : स्वतंत्रता आंदोलन में साम्यवादियों का योगदान

अध्याय 10 : साइमन कमीशन और नेहरू रिपोर्ट

खण्ड - 3

अध्याय 11 : सविनय अवज्ञा आंदोलन और गोलमेज कॉन्फ्रेंस

अध्याय 12 : कांग्रेस समाजवादियों का उत्थान एवं विकास

अध्याय 13 : संविधान और कांग्रेस (1935-1937 ई.)

अध्याय 14 : भारत छोड़ो आंदोलन- 1942

अध्याय 15 : मुस्लिम अलगाववाद का विकास (1930-46)

खण्ड - 4

अध्याय 16 : देशी रियासतों में स्वतन्त्रता आंदोलन का सर्वेक्षण

अध्याय 17 : सुभाष बोस और भारतीय राष्ट्रीय सेना (आई.एन.ए.)

अध्याय 18 : 1946 का नोसैनिक विद्रोह

अध्याय 19 : सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया

अध्याय 20 : भारत की आजादी और विभाजन